जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 12 मार्च 2019

यूरोप में सीमांकन एवं पुनर्सिमांकन पर कनाडा के प्रोफेसर का जामिया में व्याख्यान

विक्टोरिया यूनिवसर्टी:कनाडाः के प्रोफेसर एमनुएल ब्रुनेट-जेली और इनोवेटिव गवर्नेंस के चेअर ज्यां मानेट ने यूरोप के सीमांकन एवं पुनर्सीमांकन के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जामिया की अंतरराष्ट्रीय अध्ययन अकादमी ने 07 मार्च, 2019 को इसका आयोजन किया था।

सीमाओं और सीमांकन विषय के विश्वविख्यात विशेषज्ञ ने सीमा, सीमांकन, सीमाभूमि और सीमानिकास में अंतर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उत्तर अमेरिका और कनाडा से जुड़ी अमेरिका की पेचीदा सीमाओं के संदर्भ को अपने व्याख्यान का केन्द्र बिन्दु बनाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने सीमाओं की वास्तविक स्थिति पर खास ज़ोर दिया । उनके अनुसार दूसरी ओर दूसरे विश्वयुद्ध के बाद यूरोपीय यूनियन ने अपनी सीमाओं को लेकर रचनावादी रवैया अख्तियार किया। उन्होंने कहा यूरोपीय यूनियन ने सुरक्षा को लेकर अमेरिका से अलग सोच को आगे बढ़ाया।

प्रो जेली ने मोरक्को के संदर्भ में विस्तार से बताया जिसके साथ यूरोपीय यूनियन ने विशेष रिश्ते स्थापित किए जिससे दोनों पार्टियां लाभान्वित हुईं। इससे दोनों के बीच व्यापार और खासकर कृषि उत्पाद के क्षेत्र में काफी बढ़ोत्तरी हुई। उन्होंने कहा कि एक मायने में वह यूरोपीय संघ का हिस्सा जैसा बन गया लेकिन सुरक्षा मामलों में वह उनसे अलग रूख अपनाए रहा।

उन्होंने शरणार्थी संकट, यूरोपीय यूनियन के देशों के बीच मतभेदों और ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के विषयों पर भी विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई।

इस परिचर्चा में छात्रों और अध्यापकों ने कई सवाल पूछे जिनका दोनों विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर दिए।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक